पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 01.08.2015 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868002130

परिषद् के अन्तरंग सदस्यों की सेवा में

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की द्विवार्षिक अन्तरंग सभा की बैठक

रविवार, 30 अगस्त 2015, प्रातः 11.30 बजे
आर्य समाज,कबीर बस्ती,दिल्ली–7
विचारणीय विषयः–
वार्षिक प्रगति विवरण,आय–व्यय लेखा जोखा,
नये अधिकारियों का निर्वाचन ।
प्रीति–भोज–दोपहर 2.00 बजे
कृपया सभी साथी समय पर पंहुचे
–महेन्द्र भाई,महामन्त्री

वर्ष-32 अंक-5 श्रावण-2072 दयानन्दाब्द 191 01 अगस्त से 15 अगस्त 2015 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.08.2015, E-mail : aryayouthn@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

॥ ओ३म् ॥

स्थापित 3 जून 1978

यदि आप आर्य युवा शक्ति की कार्यप्रगति की एक झलक देखना चाहते हैं तो अवश्य पधारें

ओ३म्
बलमुपास्व

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत)

37 वाँ वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन

अध्यक्षता: डॉ. अशोक कुमार चौहान जी
(संस्थापक अध्यक्ष, ऐमटी शिक्षण संस्थान)

सानिध्य: श्री सुभाष आर्य
(महापौर, दक्षिण दिल्ली नगर निगम)

राष्ट्रीय आर्य युवा सम्मेलन

रविवार, 6 सितम्बर 2015, प्रातः 9.00 से सायं 4.00 बजे तक

स्वामी श्रद्धानन्द सामुदायिक केन्द्र, राजौरी गार्डन, (सूर्या होटल के सामने) **दिल्ली–110026**
(निकट मैट्रो स्टेशन राजौरी गार्डन)

11 कुण्डीय यज्ञ: प्रातः 9.00 से 10.30 बजे तक – ब्रह्मा: आचार्य अखिलेश्वर जी महाराज

विशेष आकर्षण

- 500 आर्य युवकों/युवतियों द्वारा भव्य परेड, योगासन, दण्ड बैठक, आत्मरक्षा प्रदर्शन, कराटे, लेजियम, डम्बल, स्तूप आदि का भव्य व्यायाम शक्ति प्रदर्शन
- राष्ट्र की ज्वलन्त समस्याओं व आर्य समाज की भूमिका पर वैदिक विद्वानों का मार्गदर्शन
- सामुहिक यज्ञोपवीत संस्कार एवम् देश भर के चुने हुए आर्य युवा प्रतिनिधियों का भव्य समागम

मिशन 25: यानि 12 से 25 वर्ष तक के युवाओं को आर्य समाज के साथ जोड़ने का अभियान

नाश्ता: प्रातः 8.15 से 8.45 तक, ऋषि लंगर 1 से 2 तक, जलपान: सायं 4.00 से 4.30 तक

आप सपरिवार इष्ट मित्रों सहित सादर आमन्त्रित हैं

: निवेदक :

डॉ. अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष	महेन्द्र भाई राष्ट्रीय महामन्त्री	यशोवीर आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	कृष्णचन्द पाहुजा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	सत्यभूषण आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	रामकुमार सिंह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
धर्मपाल आर्य राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	सुशील आर्य राष्ट्रीय मन्त्री	दुर्गेश आर्य वरिष्ठ मंत्री	मनोहरलाल चावला राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	आनन्दप्रकाश आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	रामकृष्ण शास्त्री राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
गवेन्द्र शास्त्री बौद्धिकाध्यक्ष	देवेन्द्र भगत प्रैस सचिव	प्रवीण आर्य, सुरेश आर्य राष्ट्रीय मन्त्री	राकेश भटनागर राष्ट्रीय मंत्री	वीरेन्द्र योगाचार्य राष्ट्रीय मन्त्री	सन्तोष शास्त्री राष्ट्रीय मन्त्री

आशीर्वाद: सर्वश्री आनन्द चौहान, दर्शन अग्निहोत्री, मायाप्रकाश त्यागी, राजीवकुमार परम, प्रभात शेखर, जगदीश आर्य, नरेन्द्र सुमन, सुरेन्द्र गुप्ता, के. एल. पुरी, रवि चड्डा, राजेन्द्र लाम्बा, सत्यानन्द आर्य, डॉ. सुन्दरलाल कथुरिया, रामकृष्ण सतीजा, जितेन्द्र डावर, डॉ. ओमप्रकाश मान, चौ. ब्रह्मप्रकाश मान, रविदेव गुप्ता, रणसिंह राणा

स्वागत समिति: सर्वश्री सत्यनारायण डंग, यशपाल आर्य (पार्षद), विश्वनाथ आर्य, योगेन्द्र शास्त्री, ओमबीर सिंह, वेद प्रकाश शास्त्री नीता खन्ना, उर्मिला आर्या, अर्चना पुष्करणा, अनिता कुमार, विजयारानी शर्मा, गायत्री मीना, जीवनप्रकाश शास्त्री, मायाराम शास्त्री, हरिमोहन शर्मा बब्बु, श्रीकृष्ण दहिया, दिनेश आर्य, डॉ. मुकेश सुधीर, ईश आर्य, स्वतंत्र कुकरेजा, अरूण आर्य, सौरभ गुप्ता, माधव सिंह, कै. अशोक गुलाटी, ओम सपरा, सुरेन्द्र मानकटाला, मुन्शीराम सेठी, सोहनलाल मुखी, अमीरचन्द रखेजा, राकेश आर्य, सुरेश झा

केन्द्रीय कार्यालय: आर्य समाज, टी–176–177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली–110007
E-mail: aryayouthn@gmail.com, dkbhagat@gmail.com | Website: www.aryayuvakparishad.com.
join-http://www.facebook.com/groups/aryayouth/ दूरभाष: 9810117464, 9312406810, 9871581398

जहां नहीं होता कभी विश्राम, आर्य युवक परिषद् है उसका नाम...

कैसा स्वतन्त्रता दिवस....?

- धर्मवीर आर्य

पराधीनता एक ऐसा अभिशाप है, जिसमें मनुष्य अपनी उन्नति बिल्कुल भी नहीं कर सकता। क्योंकि पराधीनता में मनुष्य के कार्य भी पराधीन होते हैं। मनुष्य के स्वतन्त्र होने पर वह अपनी उन्नति के तरीके स्वयं चुनता है, और शीघ्रातिशीघ्र अपनी यथेच्छ उन्नति कर लेता है। उसी पकार स्वतन्त्र राष्ट्र भी अपनी उन्नति हेतु अपनी कार्यप्रणाली का चयन स्वयं करता है, तथा शीघ्रता से उन्नति के पथ पर अग्रसर होता है। भारत देश को स्वतन्त्र हुए 68वाँ वर्ष चल रहा है। फिर भी यह देश अन्याय देशों से उन्नति के पथ पर इतना पीछे क्यों हैं? यह जानने के लिए हमें यह जानना आवश्यक होगा कि स्वतन्त्र राष्ट्र किसे कहते हैं?

जिस देश की अपनी संस्कृति, अपनी सभ्यता, अपनी परम्पराएँ, अपनी भाषा तथा अपना इतिहास और अपना एक संविधान हो उस राष्ट्र को स्वतन्त्र राष्ट्र कहते हैं।

क्या भारत ने 15 अगस्त 1947 के बाद अपनी संस्कृति तथा सभ्यता का पालन किया है?

क्या भारत ने 15 अगस्त 1947 के बाद अपनी भाषा हिन्दी को सर्वाधिकार प्रदान किये?

क्या भारत ने 15 अगस्त 1947 के बाद अपना स्वतन्त्रपूर्ण संविधान बनाया?

आप स्वयं विचार कर सकते हैं कि 1857 की क्रान्ति के बाद अंग्रेजों के पैर भारत में डगमगा रहे थे। क्योंकि उस समय सारा भारती जन-समूह अंग्रेजी सत्ता को मूल से उखाड़ फेंकना चाहता था। अतः भारतीय जनता के विद्रोह की ज्वाला को शान्त करने के लिए 28 दिसम्बर 1885 में ए.ओ.ह्यूम ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना की। वस्तुतः ए.ओ.ह्यूम का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के पीछे वास्तविक उद्देश्य क्या थे? यह उनके द्वारा अपने मित्र को लिखे पत्र से स्पष्ट हो जाता है। उन्होंने लिखा, 'यह योजना (कांग्रेस की स्थापना) मैंने ही अपने कर्मो के फलस्वरूप उत्पन्न की है, जो एक प्रयत्न और बढ़ती हुई शक्ति के निष्कासन के लिए एक रक्षानली के रूप में बनाई गई है, जो राजनीतिक भय को निकालने के एि 'सेफ्टी वाल्व अभयदीप का कार्य करे।' अर्थात् कांग्रेस की स्थापना के पीछे ह्यूम का वास्तविक उद्देश्य ब्रिटिश साम्राज्य की रक्षा करना था। ह्यूम के जीवनी लेखन वैडरबर्न ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि, भारत में असन्तोष की बढ़ती हुई शक्तियों से बचन के लिए एक 'अभय दीप' की आवश्यकता है और कांग्रेस से बढ़कर अभयदीप दूसरी कोई चीज नहीं हो सकती।'' लाला लाजपतराय ने 'यंग इण्डिया' में लिखा है कि, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना का मुख्य उद्देश्य यह था कि हम ब्रिटिश साम्राज्य की रक्षा करे और उसको छिन्न-भिन्न होने से बचाये।

मूलतः सोचा जाये तो निष्कर्ष यह निकलता है कि कांग्रेस की स्थापना भारतीयों के लिए नहीं, अपितु ब्रिटिश सरकार के लिए ही की गई थी और उसी कांग्रेस ने तथाकथित आजादी के बाद भी लगभग 60 साल तक भारत पर शासन किया है। मेरे कहने का सीधा-सा अभिप्राय यह है कि 'भारत 15 अगस्त 1947 तक प्रत्यक्ष रूप से गुलाम था और 15 अगस्त 1947 के बाद अप्रत्यक्ष रूप से गुलाम ही था।'

''एक अमेरिकी पत्रकार श्री हैनरी सेंडर भारत में भ्रमण के लिए आये। भारत में भ्रमण करते हुए भारतीयों की स्थिति को देखकर जो प्रतिक्रिया उन पर हुई, वह अमेरिका में जाकर वहाँ के प्रसिद्ध पत्र 'प्रौग्रैसिव' में उन्होंने लिखी। उनके लेख का अपेक्षित भाग इस प्रकार है-''अंग्रेजों के चले जाने के बाद भारत में 30 वर्षो में झण्डे के सिवाय और कोई परिवर्तन नहीं आया है''। आप स्वयं भी इस बात को निम्न बिन्दुओं से जान सकते हैं-

1. आजादी के बाद भी, यदि महान् क्रान्तिकारी देशभक्त सुभाष जी मिलते तो उन्हें ब्रिटिश सरकार को सौंप दिया जाता।

2. आजादी के बाद बिना निर्वाचित हुए ही नेहरू जी को प्रधानमन्त्री क्यों बनाया गया? यह एक उन कुटिल अंग्रेजों की चाल थी।

3. 1947 के बाद लगभग 60 साल तक भारत पर कांग्रेस की सत्ता रही है। जिसका स्थापनकर्ता एक इग्लैण्ड का ही था, सोचिए क्या कोई शत्रु भी, हमारे हित के लिए पार्टी की स्थापन करेगा? बिल्कुल नहीं।

4. 1947 के बाद भारत में अंग्रेजी भाषा को जितना बढ़ावा मिला है तथा अंग्रेजी भाषा का प्रचार हुआ, उतना तो अंग्रेज भारत में 200 साल रहकर भी नहीं कर पाये।

5. 1947 के बाद आजादी की ज्वाला में बलिदान कर देने वाले पवित्र देशभक्तों को सम्मान देने के बजाय अपमानित ही किया जाता रहा है। क्या उनके माता-पिता को कोई पूछता भी है?

6. भारत का सम्पूर्ण संविधान मूल रूप से आज भी अंग्रेजी भाषा में ही है।

7. भारत के सर्वोच्च न्यायालय में हिन्दी भाषा में कोई भी अपनी राय नहीं दे सकता है।

8. यदि कोई पाकिस्तान का व्यक्ति कश्मीर की युवती से शादी कर लेता है तो उसे भारत की नागरिकता स्वयं प्राप्त हो जाती है।

9. कोई अन्य राज्य का प्रवासी कश्मीर में जाकर नहीं बस सकता है। क्या इसी तरह हम स्वतन्त्र हैं?

10. जितनी गोहत्या के कत्लेखाने आजादी से पहले थे, उनसे चौगुने गो-हत्या के कत्लेखाने आज हैं।

11. आज आपको अपनी मां, बेटी, बहन को घर पर अकेला छोड़ने में भी दस बार सोचना पड़ता है, और अन्त में कहना पड़ता है कि दरवाजे बन्द रखना।

12. कश्मीर भारत का होता हुआ भी वहां पर हम भारत का झंडा तिरंगा नहीं फैहरा सकते हैं।

आखिर क्यों है ऐसा? क्या हम 1947 के दिन पूर्ण स्वतन्त्र नहीं हुए थे। आप स्वयं सोचिए कि आजादी के बाद 1947 को बिना निर्वाचित हुए ही नेहरू को प्रधामन्त्री पद सौंपा गया था। क्योंकि नेहरू और अंग्रेजों की मिली-भगत होगी, इसीलिए तो नेहरू ने स्वयं उस महान् देशभक्त क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चन्द्रबोस को प्रधानमन्त्री पद के बदले में ब्रिटिश सरकार को सौपने की शर्त लगयाी थी। परन्तु यह बात जन-समूह में थोड़े परिवर्तन के साथ आयी कि अंग्रेजों ने आजादी देने के बदले में नेताजी को मिलने के बाद इग्लैझड को सौंपने का आदेश दिया है।

कोई कहे या न कहे मैं तो यही कहूंगा कि भारत का वास्तविक स्वतन्त्रतादिवस 15 अगस्त 1947 होने बजाय 18 मई 2014 के दिन होना चाहिए। इसी बात को एक लंदन के प्रसिद्ध समाचार पत्र में इन शब्दों में लिखा गया है-

Today, 18 May, well go down in history as the day when Britain finally left India. Narendra Modi`s victory as the elections marks the end of a long era in which the structures of power did not differ greatly from those through which Britain ruled the subcontinent India under the congress party was in many ways a continuation of the British Raj by other means. - The Gaurdian, Editorial, Sunday 18 May 2014 London

पाठकों की सुविधा हेतु, उपरोक्त अंग्रेजी गद्यांश का हिन्दी अनुवाद नीचे दिया गया है-

आज 18 मई 2014 को इतिहास में वो दिन समझा जा सकता है, जब अंग्रेजों ने अन्ततः भारत छोड़ दिया। निर्वाचनों में नरेन्द्र मोदी की विजय एक लम्बे युग के अन्त का लक्षण है, एक ऐसा युग, जिसमें सत्ता का ढाँचा ब्रिटिश लोगों के सत्ता के उस ढांचे से बहुत अलग नहीं था, जिससे वे भारतीय उपमहाद्वीप पर शासन करते थे। कांग्रेस दल द्वारा प्रशासित भारत अनेक अर्थो में प्रकार-भेद से ब्रिटिश राज से पृथक नहीं था।

-अकलौनी, भिण्ड, मध्यप्रदेश, vineetpanday.g@gmail.com

शोक समाचारः विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्रीमती कमला देवी (धर्मपत्नि डा.सुरेन्द्रसिंह कादियान) का निधन।
2. श्री विद्यासागर मुखीजा (पति प्रि.एस.एल.मुखीजा) का निधन।
3. श्रीमती सन्तोष (माता श्री राकेश भारद्वाज, एक्शन इण्डिया) का निधन।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य के नेतृत्व में

जहां नहीं होता कभी विश्राम • आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

युवा संस्कार अभियान

गांव, गली, चौराहे पर, घर-घर यज्ञ रचायेंगे, धरती को स्वर्ग बनायेंगे

ओ३म्
बलमुपास्व

12 से 25 वर्ष तक के 5000 युवाओं को यज्ञोपवीत से दीक्षित करने का संकल्प

10 दिन में 31 कार्यक्रम : दिनांक 14 अगस्त 2015 से 23 अगस्त 2015 तक

1. **शुक्रवार, 14 अगस्त 2015, प्रातः 8 बजे**
   आर्य समाज वृन्दावन गार्डन, साहिबाबाद (गाजियाबाद)
   संयोजक: श्री के.के. यादव, प्रमोद चौधरी, रामकुमार महेरिया, सुरेश आर्य
   सम्पर्क: 09312248396, 9873391114, 9810189585
2. **शुक्रवार, 14 अगस्त 2015, प्रातः 9 बजे**
   आर्य समाज, प्रताप नगर (अन्धामुगल), दिल्ली-110007
   संयोजक: श्री केवल कृष्ण सेठी, पी.डी. शर्मा, गुलशन कुमार
   सम्पर्क: 08010986707, 23690497
3. **शुक्रवार, 14 अगस्त 2015, सायं 4 बजे**
   पी-4 ब्लाक, एन.डी.पी.एल. ऑफिस जगदम्बा मार्केट,सुल्तान पुरी,दिल्ली-86
   संयोजक: श्रीमती राधा भारद्वाज, दशरथ भारद्वाज, धर्मपाल आर्य
   सम्पर्क: 09868026474, 07840861115, 9871581398
4. **शनिवार, 15 अगस्त 2015, प्रातः 8 बजे**
   आर्य समाज महावीर नगर (तिलक नगर), नई दिल्ली-110018
   संयोजक: श्री राजपाल पुलियानी, श्री दिनेश आर्य, श्री मायाराम शास्त्री
   सम्पर्क: 09213637558, 09873107410
5. **शनिवार, 15 अगस्त 2015, प्रातः 10.30 बजे**
   आर्य समाज शाहबाद मोहम्मद पुर, सामने इन्द्रागांधी एयरपोर्ट, नई दिल्ली
   डॉ. मुकेश सुधीर-9268103480, श्री जगवीरसिंह आर्य-9350099545
6. **शनिवार, 15 अगस्त 2015, दोपहर 2 बजे**
   आर्य समाज सूर्य निकेतन, विकास मार्ग, दिल्ली-110092
   संयोजक: श्री यशोवीर आर्य-9312223472, विकास गोगिया, शिवम मिश्रा
7. **रविवार, 16 अगस्त 2015, प्रातः 8 बजे**
   स्थान: आर्य समाज संदेश विहार, पीतमपुरा, दिल्ली-34
   संयोजक: श्रीमती सुमन नागपाल, सीमा कपूर, दुर्गेश आर्य
   सम्पर्क: 27355232, 9968850921, 9868664800
8. **रविवार, 16 अगस्त 2015, प्रातः 8 बजे**
   स्थान: आर्य समाज हापुड़, उत्तर प्रदेश
   संयोजक: श्री आनन्द प्रकाश आर्य, श्री प्रेमप्रकाश आर्य, श्री विकास अग्रवाल
   सम्पर्क: 09837086799, 08057555000, 9837791132
9. **रविवार, 16 अगस्त 2015, प्रातः 8.30 बजे**
   स्थान: आर्य समाज इन्दिरापुरम, गाजियाबाद- फोन 9560215150
   विनोद त्यागी-9818376082, विजय आर्य-9310118371, यज्ञवीर चौहान
10. **रविवार, 16 अगस्त 2015, प्रातः 11 बजे**
    स्थान: टीनू पब्लिक स्कूल, संगम विहार, दिल्ली-110062
    देवदत्त आर्य-9810323883, रामफल खर्ब-9999162077, के.एल. राणा
11. **रविवार, 16 अगस्त 2015, सायं 3.30 बजे**
    स्थान: आर्य समाज सेवा सदन, बल्लभगढ़, फरीदाबाद
    संयोजक: जितेन्द्रसिंह आर्य-9210038065, प्रवीन गोयल-09873289899
12. **रविवार, 16 अगस्त 2015, सायं 4 बजे**
    अरिहन्त चौक, प्लाट-16, सैनिक एनक्लेव, सैक्टर-3, मोहन गार्डन, दिल्ली-59
    संयोजक: श्री मानवेन्द्र शास्त्री-9213326949, ओमवीर सिंह-9868803585
13. **सोमवार, 17 अगस्त 2015, प्रातः 8 बजे**
    डी.डी.ए. पार्क (बालाजी पार्क), सैक्टर 3, द्वारका, नई दिल्ली-78
    जीवन शास्त्री: 9868072383, रमेश योगाचार्य, शांता तनेजा: 9891555149
14. **सोमवार, 17 अगस्त 2015, प्रातः 8 बजे**
    स्थान: आर्य समाज वजीरपुर जे.जे. कॉलोनी, दिल्ली-52
    संयोजक: श्री प्रेमपाल शास्त्री, भूदेव आर्य, वीरेश आर्य, रामहेत आर्य
    संम्पर्क: 09868977371, 9868992898
15. **सोमवार, 17 अगस्त 2015, सायं 5.30 बजे**
    आर्य समाज मन्दिर, स्वामी श्रद्धानन्द पार्क,
    भलस्वा डेयरी, दिल्ली-110042
    संयोजक: श्री नन्दलाल शास्त्री, श्री हरपाल प्रधान, श्री मुन्ना चौधरी
    संम्पर्क: 09868558698, 8470857074
16. **मंगलवार, 18 अगस्त 2015, प्रातः 8.30 बजे**
    स्थान: विजय हाई स्कूल, सिक्का कॉलोनी, सोनीपत
    संयोजक: श्रीमती शालिनी चावला, श्री मनोहरलाल चावला
    संम्पर्क: 09813442701, 09813514699
17. **मंगलवार, 18 अगस्त 2015, सायं 5 बजे**
    आर्य समाज टैगोर गार्डन विस्तार, ए.डी. 17-18, दिल्ली-110027
    संयोजक: श्री अशोक आर्य, श्री संदीप कुमार आर्य
    संम्पर्क: 09213616702
18. **बुधवार, 19 अगस्त 2015, प्रातः 8.30 बजे**
    स्थान: एम.बी.डी.ए.वी. सी.सै. स्कूल, युसुफ सराय, नई दिल्ली-49
    संयोजक: प्रि. श्याम लाल आर्य-9811639930, मोहित आर्य
19. **बुधवार, 19 अगस्त 2015, सायं 5 बजे**
    स्थान: आर्य समाज मोलडबन्ध, पहला 60 फुट रोड,
    दहिया फर्नीचर के पास मोलडबन्ध विस्तार, बदरपुर, नई दिल्ली-44
    संयोजक: श्री श्यामसिंह यादव, गजेन्द्रसिंह चौहान, सुशील आर्य
    संम्पर्क: 09718207743, 9810594417, 9810129235
20. **बृहस्पतिवार, 20 अगस्त 2015, प्रातः 8.30 बजे**
    स्थान: श्रद्धा मन्दिर हाई स्कूल, नहर पार, खेड़ी रोड, फरीदाबाद
    संयोजक: डॉ. गजराज सिंह आर्य, **सम्पर्क**- 09213771515, 8750771515
21. **बृहस्पतिवार, 20 अगस्त 2015, सायं 5 बजे**
    महर्षि दयानन्द वाटिका, सी. ब्लाक, नन्दग्राम, (मेरठ रोड) गाजियाबाद
    संयोजक: श्री प्रवीण आर्य-9911404423, श्री सौरभ गुप्ता-9971467978
22. **शुक्रवार, 21 अगस्त 2015, प्रातः 8 बजे**
    तालिवालान बस्ती, गली न. 10, आनन्द पर्वत, नई दिल्ली-110005
    धूमकेतु शास्त्री-9999184356, राकेश आर्य-7503614065, राहुल आर्य.
23. **शुक्रवार, 21 अगस्त 2015, सायं 5.30 बजे**
    स्थान: आर्य समाज रोहिणी, सैक्टर-7, दिल्ली-110085
    राजीव आर्य-9968079062, प्रदीप-8447917986, रोहित-8860209727
24. **शनिवार, 22 अगस्त 2015, प्रातः 8 बजे**
    शक्ति पीठ पब्लिक स्कूल, एस.जी.एम. नगर, सै. 48, फरीदाबाद
    संयोजक: श्रीमती ज्योति आर्या, श्री सत्यभूषण आर्य-09818897097
25. **शनिवार, 22 अगस्त 2015, प्रातः 11 बजे**
    स्थान: आर्य समाज जवाहर नगर (कैम्प), पलवल (हरियाणा)
    संयोजक: श्री दिनेश आर्य-9813289555, प्रो. जयप्रकाश आर्य-9813491919
26. **शनिवार, 22 अगस्त 2015, सायं 5 बजे**
    स्थान: डी.डी.ए. पार्क, सैक्टर ए-6, नरेला, दिल्ली-110040
    संयोजक: श्री अरुण आर्य, श्री अनुज आर्य, श्री माधव सिंह
    सम्पर्क: 09818530543, 9716114610, 8882445109
27. **रविवार, 23 अगस्त 2015, प्रातः 10.30 बजे**
    आर.एस. बिल्डर्स, एफ-5, खजूरी खास, मेन वजीराबाद रोड, दिल्ली-94
    संयोजक: श्री राजेन्द्र खारी, रामानन्द आर्य, योगेश दहिया, रमेश योगी
    सम्पर्क: 09891278407, 9968784343, 7053888621
28. **रविवार, 23 अगस्त 2015, प्रातः 9 बजे**
    स्थान: आर्य समाज जगदीशपुर, समस्तीपुर, बिहार-09582415761
    संयोजक: आर्य चन्द्रमित्र, विद्यावारिधि, सुरेश प्र. आर्य 09006833843
29. **रविवार, 23 अगस्त 2015, दोपहर 3 बजे**
    स्थान: गौरी शंकर मन्दिर, ई.ई.-2818, जहांगीरपुरी, दिल्ली (थाने के पास)
    संयोजक: श्री अरविन्द मिश्रा, **सम्पर्क:** 09868876990
30. **रविवार, 23 अगस्त 2015, सायं 5 बजे**
    आर्य समाज दुर्गापुरी विस्तार, 45/1, दुर्गापुरी विस्तार, दिल्ली-110093
    संयोजक: श्री वेदप्रकाश आर्य, नरेन्द्र आर्य, देवप्रिय, रामदेव, प्रभुनाथ
    संम्पर्क: 09810487559, 9650749369, 9990098694

37वां वार्षिक अधिवेशन व राष्ट्रीय आर्य युवा सम्मेलन

रविवार 6 सितम्बर, प्रातः 9 से सायं 4 तक, स्थान: स्वामी श्रद्धानन्द सामुदायिक केन्द्र, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली

सभी स्थानों पर यज्ञ, भजन, प्रवचन व यज्ञोपवीत संस्कार होंगे 'यज्ञोपवीत' लेने के इच्छुक युवक/युवतियां स्थानीय संयोजक को अपना नाम लिखवा दें
सभी आर्य जनों, धर्म प्रेमी बन्धुओं व अभिभावकों से अनुरोध है कि अपने निकट के कार्यक्रम में सम्मिलित होकर युवाओं का उत्साहवर्धन करें।

महेन्द्र भाई	रामकुमारसिंह आर्य	संतोष शास्त्री	आचार्य गवेन्द्र शास्त्री	शिशुपाल आर्य
मुख्य संयोजक	प्रान्तीय संचालक	प्रान्तीय महामंत्री	प्रान्तीय प्रभारी	प्रान्तीय उपसंचालक
9013137070	9868064422	9868754140	9810884124	9971550031

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, फोन - 9868661680, 9312406810

''लाला श्यामसुन्दर गुप्ता आर्य'' पार्क का डा. हर्षवर्धन ने किया उद्घाटन

रविवार, 19 जुलाई 2015, आर्य समाज के समर्पित व्यक्तित्व, समाजसेवी लाला श्यामसुन्दर गुप्ता के नाम से अशोक विहार, दिल्ली में केन्द्रीय मन्त्री डा. हर्षवर्धन ने पार्क का नामकरण किया। चित्र में–डा. हर्षवर्धन का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, अरूण बंसल, महापौर रविन्द्र गुप्ता, राकेश आर्य व जीवनलाल आर्य। द्वितीय चित्र–नाम पटिका के साथ–डा. हर्षवर्धन, अरूण बंसल, डा. अनिल आर्य आदि।

अमेरिका में 25 वां अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन सम्पन्न

आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के तत्वावधान में दिनांक 30 जुलाई से 2 अगस्त 2015 तक 25 वां अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन श्री गिरीश खोसला के सान्निध्य में होस्टन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय प्रेस सचिव श्री देवेन्द्र भगत सम्बोधित करते हुए। द्वितीय चित्र–स्वामी आर्यवेश जी के साथ–विकान्त चौधरी, चन्द्र दुर्गा, देवेन्द्र भगत व डा. विनय विद्यालंकार जी। सभा मन्त्री श्री भुवनेश खोसला ने कुशल संचालन किया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में

कारगिल के शहीदों की स्मृति में ''राष्ट्र रक्षा यज्ञ'' सम्पन्न

कारगिल के शहीदों की याद में राजपथ पर स्मारक बनाओ- आर्य नेता अनिल आर्य

रविवार, 26 जुलाई 2015, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस एवम् अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद के जन्मोत्सव पर ''जन्तर मन्तर'' पर ''राष्ट्र रक्षा यज्ञ'' का आयोजन कर कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई । यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य प्रकाशवीर शास्त्री ने यज्ञ करवाया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि समय की मांग है कि सरकार आंतकवादियों व उनके संरक्षकों को सख्ती से कुचले, देश की रक्षा की कीमत पर कोई समझौता नहीं हो सकता। आंतकवादियों को सार्वजनिक रूप से फांसी दी जाये। उन्होंने कहा कि आंतकवाद की जननी पाकिस्तान जब तक दुनियां के नक्शे में रहेगा, तब तक विश्व में शान्ति स्थापित नहीं हो सकती। डा.आर्य ने केन्द्र सरकार से मांग की कि कारगिल के शहीदों की याद में राजपथ पर स्मारक बनाया जाये, जिससे उनके बलिदान से युवा पीढ़ी प्रेरणा ले सके। आचार्य महेन्द्र भाई ने कहा कि कारगिल के शहीदों का बलिदान तभी सार्थक होगा जब हम पुनः वैसी परिस्थितियां न बनने दें । सरकार को पाकिस्तान पर कदापि भरोसा नहीं करना चाहिये। हमारी सहनशीलता को कमजोरी समझ लिया जाता है अतः पाकिस्तान को मुंह तोड़ उतर दिया जाये।

आर्य नेता कै.अशोक गुलाटी,रामकुमारसिंह आर्य,अमरनाथ बत्रा,प्रवीन आर्या,यशोवीर आर्य,देवेन्द्र भगत,राकेश आर्य, सुरेश आर्य,अरूण आर्य ,ओमप्रकाश त्रेहण, ओम सपरा, माधव सिंह, रविन्द्र मेहता, वेदप्रकाश आर्य, अरविन्द मिश्रा, महावीरसिंह आर्य, ओमवीरसिंह, कर्नल अजयवीर सिंह आदि ने भी अपने विचार रखे। प्रधानमन्त्री व केन्द्रीय गृहमन्त्री को ज्ञापन भी दिया गया।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री मांगेराम गर्ग व उतरी दिल्ली के महापौर श्री रविन्द्र गुप्ता का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,अरूण बंसल व देवेन्द्र भगत।

डा.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम को नमन

भारत के पूर्व राष्ट्रपति महान देश भक्त डा.ए.पी.जे अब्दुल कलाम के निधन पर समस्त आर्य जगत व आर्य युवक परिषद् की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

–अनिल आर्य

शहीद बलजीतसिंह को नमन

गुरदासपुर, दीना नगर, पंजाब में हुए आंतकी हमले में शहीद एस.पी सरदार बलजीतसिंह को समस्त आर्य जगत् की ओर से विनम् श्रद्धाजंलि।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970